

Chanakya niti quotes in Hindi : यदि आप भी इंटरनेट पर chanakya niti quotes की तलाश कर रहे हैं तो आप बिल्कुल सही पोस्ट पर आ गए हैं आज हम अपने लेख में chanakya niti quotes के बारे में आसान भाषा में जानकारी उपलब्ध करवाएंगे चाणक्य नीति संबंधित कोटेशन (quotes) आपको चाणक्य नीति पुस्तक में मिलेगी जिसकी रचना महान अर्थशास्त्री आचार्य चाणक्य के द्वारा किया गया था। Chanakya) की गिनती दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विद्वानों में की जाती है। आचार्य चाणक्य द्वारा रचित चाणक्य नीति शास्त्र में उन्होंने जीवन के सभी पहलुओं के बारे में बताया गया है यदि कोई भी व्यक्ति चाणक्य नीति की किताब को पढ़ता है तो उसे ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त होगी। आचार्य चाणक्य की चाणक्य नीति में धर्म-अधर्म, कर्म, पाप-पुण्य, संस्कृति, न्याय, शांति, अच्छी शिक्षा और सर्वांगीण मानव जीवन की प्रगति को देखा गया है। चाणक्य नीति शास्त्र में जीवन सिद्धांत और जीवन व्यवहार, आदर्श और वास्तविकता का मेल दर्शाया गया है। आचार्य चाणक्य ने राजनीति, कूटनीति और युद्ध में नीतियां बनाईं। आज के लेख में हम आपके साथ chanakya niti kya hai |chanakya neeti in hindi | chanakya niti pdf in hindi | chanakya niti quotes in hindi | chanakya niti in hindi quotes | chanakya niti hindi quotes | chanakya niti woman images quotes | chanakya niti woman quotes | 10 things about Chanakya Niti | 100 things of Chanakya Niti | Chanakya Niti for Enemy | chanakya Niti for life |story of chanakya जैसी चीज आपके साथ साझा करेंगे आर्टिकल को ध्यान से पढ़िए-

chanakya niti quotes overview 2024

आर्टिकल का प्रकार	चाणक्य नीति कोटेशन
आर्टिकल का नाम	chanakya niti quotes
साल कौन सा है	2024
चाणक्य के द्वारा कौन सी किताब लिखी गई थी	चाणक्य नीति नीति शास्त्र
चाणक्य की मृत्यु कब हुई	283 ईसा-पूर्व

चाणक्य कौन है? who is chanakya in hindi

चाणक्य , जिन्हें उनके उपनाम कौटिल्य के नाम से भी जाना जाता है, प्राचीन भारत में एक उल्लेखनीय व्यक्ति थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन में एक शिक्षक, दार्शनिक, अर्थशास्त्री और राजनेता सहित कई भूमिकाएँ निभाईं। उनके सबसे महत्वपूर्ण योगदानों में से एक ' अर्थशास्त्र ' नामक भारतीय राजनीतिक ग्रंथ का लेखन था , जो राजनीति और अर्थशास्त्र के विज्ञान पर केंद्रित था। मौर्य वंश की स्थापना में चाणक्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चाणक्य नीति क्या है | Chanakya niti kya hai

[चाणक्य नीति](#) चौथी से छठी शताब्दी के बीच आचार्य चाणक्य द्वारा रचित एक नीति ग्रंथ है। इस नीति पुस्तक में 17 अध्याय हैं । संस्कृत नीति ग्रंथों में चाणक्य नीति का महत्वपूर्ण स्थान है। जीवन को सूत्रबद्ध तरीके से सुखी और उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिए चाणक्य नीति में कई विषयों का वर्णन किया गया है। चाणक्य नीति में व्यवहार विज्ञान के श्लोकों के साथ-साथ राजनीति से संबंधित श्लोकों को भी शामिल किया गया है।आचार्य चाणक्य ने अपने पूर्वजों की विरासत और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करके अपने नीति ग्रंथ 'चाणक्य नीति' में श्लोकों और सूत्रों का संग्रह किया है। चाणक्य नीति का अध्ययन करके आम आदमी जीवन में सफलता, सही और गलत,

अनुचित, नैतिक या अनैतिक, धर्म या अधर्म, ज्ञान या मूर्खता, लाभदायक या हानिकारक, अच्छा या बुरा, उपयोगी या बेकार की पहचान कर सकता है। इन सूत्रों में चाणक्य ने शिक्षा पर बहुत जोर दिया है। वे कहते हैं कि शिक्षा ही व्यक्ति की असली मुक्ति है।

चाणक्य नीति हिंदी में | Chanakya neeti in hindi

चाणक्य के द्वारा चाणक्य नीति किताब लिखी गई हैं। चाणक्य नीति ईसा पूर्व चौथी और तीसरी शताब्दी के दौरान लिखा गया था। चाणक्य नीति किताब में जीवन के हर पहलू के बारे में बताया है। चाणक्य नीति के जरिए चाणक्य ने धन, संपत्ति, स्त्री, मित्र, करियर और वैवाहिक जीवन आदि जैसे महत्वपूर्ण और मजबूत संदेश दिए हैं।

चाणक्य नीति पीडीएफ हिंदी में | Chanakya niti pdf in hindi

चाणक्य नीति का पीडीएफ अगर आप हिंदी में प्राप्त करना चाहते हैं तो उसका लिंक हम आपको आर्टिकल में उपलब्ध करवाएंगे जिससे आप अपने मोबाइल में डाउनलोड कर सकते हैं।

चाणक्य नीति कोट्स हिंदी में | Chanakya niti quotes in hindi

1. कामवासना के समान विनाशकारी कोई रोग नहीं है।
2. आलसी का कोई वर्तमान और भविष्य नहीं होता।
3. अन्याय से कमाया हुआ धन निश्चित रूप से नष्ट हो जाएगा।
4. जो व्यक्ति अपना लक्ष्य तय नहीं कर सकता, वह जीत भी नहीं सकता।
5. जैसे ही भय निकट आए, आक्रमण करके उसका नाश कर दो।
6. अगर सांप जहरीला न भी हो तो भी उसे जहरीला होने का ढोंग करना चाहिए।
7. यह मनुष्य का मन ही है जो उसके बंधन या स्वतंत्रता का कारण है।
8. सच्चा पुत्र आज्ञाकारी होता है, सच्चा पिता प्रेम करने वाला होता है, और सच्चा मित्र ईमानदार होता है।
9. जब तक शत्रु की दुर्बलता का पता न चल जाए, तब तक उसे मित्रता की दृष्टि से रखना चाहिए।
10. एक मूर्ख व्यक्ति के लिए किताबें उतनी ही उपयोगी होती हैं, जितना कि एक अंधे व्यक्ति के लिए आईना।
11. कौशल को छुपा हुआ खजाना कहा जाता है क्योंकि वो परदेस में एक माँ की तरह बचत करते हैं।
12. भगवान मूर्तियों में मौजूद नहीं हैं। आपकी भावनाएं ही आपका भगवान हैं। आत्मा तुम्हारा मंदिर है।
13. आप जिस चीज के लायक हैं, उससे कम पर कभी समझौता न करें। यह अभिमान नहीं, स्वाभिमान

हिंदी कोट्स में चाणक्य नीति | Chanakya niti in hindi quotes

1. सबसे बड़ा गुरु-मंत्र है:- कभी भी अपने राज किसी को मत बताना। यह आपको नष्ट कर देगा।
2. फूलों की सुगंध हवा की दिशा में ही फैलती है। लेकिन इंसान की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।
3. एक बुद्धिमान व्यक्ति अपने बच्चे को सावधानी से पालता है क्योंकि उच्च मनोबल वाले शिक्षित व्यक्ति को ही समाज में सच्चा सम्मान मिलता है।
4. कभी भी ऐसे लोगों से दोस्ती न करें जो हैसियत में आपसे ऊपर या नीचे हों। ऐसी दोस्ती आपको कभी खुशी नहीं देगी।
5. कभी भी ऐसे लोगों से दोस्ती न करें जो हैसियत में आपसे ऊपर या नीचे हों। ऐसी दोस्ती आपको कभी खुशी नहीं देगी।
6. नदियों, शस्त्र धारण करने वाले पुरुषों, पंजों या सींग वाले जानवरों, स्त्रियों और राजपरिवार के सदस्यों पर भरोसा न करें।
7. नदी के किनारे के पेड़, दूसरे आदमी के घर में एक महिला और बिना सलाहकार के राजा निस्संदेह तेजी से विनाश के लिए जाते हैं।
8. जिस व्यक्ति का आचरण दुराचारी हो, जिसकी दृष्टि अशुद्ध हो, और जो कुटिलता के लिए प्रसिद्ध हो, उससे जो मित्रता करता है, वह शीघ्र ही नष्ट हो जाता है।
9. जो कुछ भी करने के बारे में आपने सोचा है उसे कभी प्रकट न करें, लेकिन बुद्धिमान परिषद द्वारा इसे गुप्त रखें और इसे क्रियान्वित करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहें।
10. सच्चा मित्र वही है जो आवश्यकता, दुर्भाग्य, अकाल, या युद्ध के समय, राजा के दरबार में, या शमशान में हमारा साथ न छोड़े।
11. देश में निवास न करें जहां आपका सम्मान न हो, आप अपनी आजीविका नहीं कमा सकते, कोई मित्र नहीं है, या ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते।
12. मूर्ख को सलाह देना, दुराचारी स्त्री की देखभाल करना और सुस्त और दुखी व्यक्ति की संगति करना अविवेक है।
13. एक बार जब आप किसी चीज़ पर काम करना शुरू कर दें। असफलता से डरो मत और उसका परित्याग मत करो। जो लोग ईमानदारी से काम करते हैं वे सबसे ज्यादा खुश होते हैं
14. मूर्खता वास्तव में कष्टदायक होती है, और यौवन भी कष्टदायक होता है, लेकिन इससे कहीं अधिक कष्टदायक होता है किसी दूसरे के घर में रहना।
15. बुद्धिमान व्यक्ति को सारस की भाँति अपनी इन्द्रियों को वश में करना चाहिए और अपने स्थान, समय और योग्यता को जानकर अपने उद्देश्य को पूरा करना चाहिए।
16. पैसा आता है और चला जाता है, इसलिए युवा है। जीवन जाता है और आत्मा जाती है, कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता। केवल एक चीज जो दृढ़ रहती है वह है आपका विश्वास।

17. किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर मत आंकिए, क्योंकि समय में इतनी ताकत है कि वह काले कोयले को चमकदार हीरे में बदल सकता है।

18. वाणी की पवित्रता, मन की, इंद्रियों की, और एक दयालु हृदय की आवश्यकता उस व्यक्ति को होती है जो दिव्य मंच पर उठने की इच्छा रखता है।

चाणक्य नीति हिंदी कोट्स | Chanakya niti hindi quotes

1. एक अकेला चंद्रमा अंधेरे को दूर करता है, जो कई तारे भी मिलकर नहीं कर सकते।
 2. व्यक्ति को अधिक ईमानदार नहीं होना चाहिए। सीधे पेड़ पहले काटे जाते हैं और ईमानदार लोगों पर पहले शिकंजा कसा जाता है।
 3. यदि पैर में मणि और सिर पर दर्पण रखा जाए, तो भी मणि अपना मूल्य नहीं खोती है।
 4. पुरुषों की तुलना में महिलाओं में भूख दोगुनी, लज्जा चार गुना, साहस छह गुना और वासना आठ गुना होती है।
 5. संचित धन खर्च करने से बचता है जैसे कि आने वाला ताजा पानी रुके हुए पानी को बाहर निकालने से बचता है।
 6. यह विचार छोड़ दो कि आसक्ति और प्रेम एक ही चीज है। वे शत्रु हैं। यह आसक्ति है जो सभी प्रेम को नष्ट कर देती है।
 7. असत्यता, उतावलापन, कपट, मूर्खता, लोभ, अस्वच्छता और क्रूरता स्त्री के सात स्वाभाविक दोष हैं।
 8. इस पृथ्वी पर तीन रत्न हैं – अन्न, जल और प्रिय वचन। मूर्ख लोग चट्टानों के टुकड़ों को रत्न समझते हैं।
 9. धन, मित्र, पत्नी और राज्य तो वापस मिल सकता है, लेकिन यह शरीर खो जाने पर फिर कभी नहीं मिल सकता।
 10. बीमारी, दुर्भाग्य, अकाल और आक्रमण के समय जो कोई भी आपकी सहायता करता है, वही वास्तविक अर्थों में आपका सच्चा भाई है।
 11. वे नीच लोग जो दूसरों के गुप्त दोषों की बात करते हैं, वे स्वयं को वैसे ही नष्ट कर देते हैं जैसे साँप चींटियों के टीलों पर भटक जाते हैं।
 12. पापपूर्वक अर्जित धन दस वर्षों तक रह सकता है; ग्यारहवें वर्ष में यह मूल धन के साथ भी गायब हो जाता है।
 13. जिस प्रकार एक सूखा पेड़ आग लगने पर पूरे जंगल को जला देता है, उसी प्रकार एक दुष्ट पुत्र पूरे परिवार को नष्ट कर देता है।
- अपना धन केवल योग्य को दें और दूसरों को कभी नहीं। मेघों को प्राप्त समुद्र का जल सदैव मीठा होता है।
14. सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन में, रिश्तेदार को कठिनाई में, मित्र को विपत्ति में, और पत्नी को दुर्भाग्य में परखें।
 15. कांटों और दुष्ट लोगों से निपटने के दो तरीके हैं। एक उन्हें कुचल देना है और दूसरा उनसे दूर रहना है।

16. बुद्धिमान पुरुषों को हमेशा अपने पुत्रों को विभिन्न नैतिक तरीकों से पालना चाहिए, क्योंकि जिन बच्चों को नीति-शास्त्र का ज्ञान होता है और अच्छे व्यवहार वाले होते हैं, वे अपने परिवार के लिए एक गौरव बन जाते हैं।

17. हर पहाड़ में माणिक नहीं होता, न ही हर हाथी के सिर में मोती होता है; न तो साधु हर जगह पाए जाते हैं, न ही हर जंगल में चंदन के पेड़।

18. भगवान लकड़ी, या पत्थर या मिट्टी की मूर्तियों में नहीं रहते हैं। उनका वास हमारी भावनाओं में, हमारे विचारों में है। इस भावना से ही हम इन मूर्तियों में ईश्वर को विद्यमान मानते हैं।

19. वह जो भविष्य के लिए तैयार है और जो किसी भी स्थिति से चतुराई से निपटता है, वह दोनों खुश है, लेकिन भाग्यवादी व्यक्ति जो पूरी तरह से भाग्य पर निर्भर करता है, बर्बाद हो जाता है।

20. कठिन समय में धन की रक्षा करनी चाहिए, धन की बलि देकर पत्नी की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन पत्नी और धन की बलि देकर भी अपनी आत्मा को अवश्य बचाना चाहिए।

21. हर मित्रता के पीछे कोई न कोई स्वार्थ होता है। बिना स्वार्थ के दोस्ती नहीं होती। यह एक कड़वा सच है।

चाणक्य नीति स्त्री | Chanakya niti woman

- चाणक्य नीति में बताया गया है कि जो स्त्री मन से शांत हो वह किसी भी परिस्थिति में क्रोध नहीं करती है। वह जगह और समय के हिसाब से सोच समझकर कार्य करने में सक्षम होती है। ऐसी स्त्री अपने पति के जीवन को भी आसान बना देती है।
- धार्मिक स्त्री अपने पति के भाग्य को पलटने की क्षमता रखती है। वह हमेशा अपने परिवार को अधर्म से बचाती है, जिससे परमात्मा की कृपा घर के लोगों पर हमेशा बनी रहती है। इसलिए चाणक्य ने कहा है कि हमें ऐसी महिलाओं से शादी करनी चाहिए जो धार्मिक विचार रखती हो
- सबका सम्मान करे स्त्री से हमें विवाह करना चाहिए क्योंकि ऐसी महिलाएं आपके घर के लोगों को हमेशा लेकर चलती हैं और यदि घर में किसी के साथ संबंध बिगड़े हैं तो उन संबंधों को ठीक करने में ऐसी महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

चाणक्य नीति स्त्री images | Chanakya niti woman images

चाणक्य ने स्त्रियों के बारे में भी कई प्रकार के महत्वपूर्ण कथन चाणक्य नीति पुस्तक में लिखा है ऐसे में अगर आप भी चाणक्य नीति स्त्री से संबंधित कथन इमेज के रूप में प्राप्त करना चाहते हैं तो आर्टिकल में उसके बारे में हम आपको नीचे जानकारी दे रहे हैं-

चाणक्य नीति स्त्री quotes | Chanakya niti woman quotes

- स्त्रियां बात-बात पर झूठ बोलती हैं। झूठ बोलने के स्वभाव के कारण वे कई बार मुसीबत में भी फंस जाती हैं। वे कहते हैं कि बहुत स्त्रियों का स्वभाव ऐसा होता है कि वे अचानक ही कुछ भी काम कर बैठती हैं। बिना सोच-विचार के ही कुछ कार्य कर देना स्त्रियों के लिए आम बात है। ऐसी महिलाओं से दूरी बनाकर रखनी चाहिए

- चाणक्य के अनुसार काफी स्त्रियां बात-बात पर नखरे करती हैं। दूसरों पर अपना प्रभाव बनाने के लिए या अन्य लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए स्त्रियां तरह-तरह के नखरे दिखाती हैं। कुछ महिलाएं अति आत्मविश्वास के चलते मूर्खतापूर्ण कार्य कर देते हैं।
- अधिकांश महिलाएं धन की लोभी होती हैं। उन्हें धन और स्वर्ण के प्रति खास लगाव रहता है। धन लालच में कुछ स्त्रियां सही-गलत का भेद भूल जाती हैं।
- जो नारी एक से अधिक पुरुषों से संबंध रखती हो ऐसी स्त्री से हमेशा दूर रहना चाहिए। ऐसी स्त्री के घर का भोजन करना भी पाप की श्रेणी में आता है। धूम्रपान और मदिरापान करने और बुरे कर्म में लिप्त स्त्री बहुत दूर रहना चाहिए।
- पैसा बचाना हमेशा जरूरी है। कोई पुरुष किसी स्त्री को तभी आकर्षित कर सकता है, जब उसके पास धन हो। लेकिन उसे इस तथ्य को कभी नज़रअंदाज नहीं करना चाहिए, कि वे दोनों स्वभाव से चंचल हैं। धन और स्त्री दोनों ही उसे किसी भी क्षण धोखा दे सकते हैं।
- एक आदमी को शादी के बारे में विशेष रूप से सावधानी से विचार करना चाहिए, क्योंकि जल्दबाजी में लिया गया कोई भी निर्णय उसके जीवन को हमेशा के लिए बर्बाद कर सकता है। उसे हमेशा ऐसे परिवार में शादी करनी चाहिए जिसे समाज में समान दर्जा प्राप्त हो। किसी लड़की के पास कोई शानदार वंश न हो, तो उसे उससे शादी करने में संकोच नहीं करना चाहिए, क्योंकि सुंदरता केवल त्वचा तक होती है। लेकिन भले ही लड़की आकर्षक सुंदरता वाली हो, अगर वह अयोग्य परिवार से हो, तो उसे उसे अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार नहीं करना चाहिए।
- माना जाता है कि एक महिला एक पुरुष से ज्यादा नाजुक होती है। लेकिन एक महिला एक पुरुष से चार गुना ज्यादा निर्लज्ज होती है। उसमें उससे छह गुना साहस और आठ गुना जुनून की ताकत है।
- मनुष्य को अपनी रानी, अपनी सास, और अपने मित्र और अपने स्वामी की पत्नियों का बहुत आदर करना चाहिए। वे पुरुष जो महिलाओं के साथ अवैध संबंध बनाने के इरादे से उनके पास आते हैं या उनके पास जाते हैं, वे सबसे नैतिक रूप से भ्रष्ट व्यक्ति हैं। प्रत्येक धर्म में महिलाओं को बहुत सम्मान दिया जाता है। वे आराध्य हैं।
- प्यार का धागा बेहद मजबूत होता है। भोड़नरा और लकड़ी काटने की क्षमता। लेकिन कमल में प्रवेश करने के बाद वह उसकी पंखुड़ियों को तोड़ने का प्रयास करने के बाद भी बाहर नहीं आ सका। पंखुड़ियों और फूल के बीच प्रेम का एक शक्तिशाली बंधन मौजूद था। दुनिया ने प्रेम से अधिक मजबूत कोई संबंध नहीं देखा है।
- जब कोई पुरुष इस धारणा से धोखा खाता है कि एक महिला को उससे प्यार हो गया है, तो वह इस तथ्य से अनजान होता है कि वह उसके हाथों की कठपुतली मात्र बन गया है।
- जो स्त्री अपने पति की मौन सहमति के बिना व्रत रखती है, उसकी आयु कम हो जाती है। उसे अनन्त नरक की सजा दी गई है।
- कपट, साहस का अचानक प्रदर्शन, सहृदयता, छल, लालच, फिजूलखर्ची और झगड़ालूपन स्त्री के स्वाभाविक लक्षण हैं। उसे इस तरह व्यवहार करते देखकर किसी को भ्रमित नहीं होना चाहिए।
- केवल एक पवित्र, चतुर, गुणी और मधुर स्त्री, जो अपने पति के प्रति वफादार रहती है, वास्तव में उसके संरक्षण की पात्र है। ऐसी पत्नी किसी भी पुरुष के लिए वरदान होती है। धन्य है वह पुरुष, जिसने ऐसी स्त्री को अपनी पत्नी के रूप में पाया है।
- यहां तक कि जैसे-जैसे एक महिला की उम्र बढ़ती है, वह इस भ्रामक धारणा से चिपकी रहती है कि वह अपनी उम्र से छोटी है। वह अपनी जवानी को अनिश्चित काल तक बढ़ाने के प्रयास में, यथासंभव आकर्षक दिखने का प्रयास करती है।
- अक्सर एक पुरुष किसी महिला के सुंदर रूप और मनमोहक आकर्षण से अत्यधिक उत्तेजित हो जाता है। चूंकि पुरुष स्वभाव से बहुपत्नी होता है, इसलिए वह विभिन्न प्रकार की महिलाओं के साथ यौन संबंध बनाना चाहता है। इस पागल खोज में, वह इस तथ्य से अंधा हो जाता है कि सभी महिलाएं शारीरिक और यौन रूप से समान हैं। एक पुरुष के लिए एक से अधिक महिलाओं के साथ शारीरिक संबंध रखना उचित नहीं है।

चाणक्य नीति की 10 बातें | 10 things about Chanakya Niti

1. अपनी कमजोरी किसी को न बताएं
2. सोच समझ कर खर्च करें
3. मुख्य लोगों से न करें विवाद
4. ऐसे लोगों पर न करें विश्वास
5. किसी को न बताएं अपना लक्ष्य
6. चाणक्य कहते हैं कि बुद्धिमान व्यक्ति को अपना वक्त अध्ययन और मनन में बिताना चाहिए।
7. चाणक्य कहते हैं कि एक स्त्री पुरुष की तुलना में दोगुना आहार लेती है, चार गुणा बुद्धिमान और चालाक होती है. छह गुणा साहसी होती है.
8. अपने रहस्यों को किसी से जाहिर नहीं करना चाहिए. चाणक्य कहते हैं कि यह आदत आपको बर्बाद कर सकती हैं।
9. आचार्य चाणक्य कहते हैं कि शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है. एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान हासिल करता है.
10. आगे चाणक्य कहते हैं कि हमें पहले के बारे में सोचकर पछतावा नहीं करना चाहिए और ना ही भविष्य को लेकर चिंतित होना चाहिए. चाणक्य कहते हैं कि विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीता है.

चाणक्य नीति की 100 बातें | 100 things of Chanakya Niti

1. ना बताओ क्यूकी अपने सीक्रेट्स दूसरो को बताने से आप बर्बाद हो सकते हो।”
2. ये लोगो की फितरत में है की वे हमेशा आपको नुकशान पहुचाने के लिए तैयार रहते है।
3. जो लोग अच्छे होते है और बुरे लोगो के बिच रहते है और उनका साथ देते है तो भी अंत बुरा ही होता है।
4. हर दोस्ती के पीछे कुछ अपना स्वार्थ होता ही है। बिना स्वार्थ के कोई दोस्ती नही होती है।
5. यह एक कड़वा सच है। दुनिया में ज्यादातर लोग यही सोच कर दोस्ती करते है की दोस्त कही ना कही काम ही आते है।
6. फूलों की खुशबू सिर्फ हवा की दिशा में ही फैलती है। परन्तु एक व्यक्ति की अच्छाई सभी दिशाओं में फैलती है। इसलिए अच्छे बनो और हमेशा अच्छाई करो।
7. उधारी, दुश्मनी और बीमारी को खत्म कर देना चाहिए। ये तीनों इंसान को खत्म कर सकती है।
8. बिना उपाय और प्लानिंग के किए गए काम, कोसिस करने पर भी नहीं बचाए जा सकते है, खत्म हो जाते है।
9. इसलिए काम करने वाले के लिए उपाय या प्लानिंग सहायक होती है।

10. हर काम करने से पहले उस काम की प्लानिंग करे तभी वो काम शुरू करे।
11. क्युकि काम का स्वरुप (ढाँचा) तैयार हो जाने के बाद वह काम लक्ष्य बन जाता है।
12. एक शेर से बेहतरीन बात ये सीखा जा सकती है कि एक इंसान को भी किसी काम को करने का इरादा पूरे मन और कड़ी मेहनत से किया जाना चाहिए।
13. दुनिया की सबसे बड़ी ताकत जिसको लोग आजकल गलत कामो में लगाते है वो है युवाशक्ति और महिला की सुंदरता। जहाँ लक्ष्मी है वहाँ सरलता से सुख आ जाता
14. इंसान पैदाइशी महान नहीं होता है बल्कि वो अपने किये गए कर्मों से महान बनता है।
15. एक बेवकूफ व्यक्ति के लिए पुस्तक उतनी ही उपयोगी है। जितना एक अंधे व्यक्ति के लिए दर्पण उपयोगी है।
16. जो खुद अपने आप पर विजय पा ले वो सभी प्रकार की संपत्ति एकत्र करने में समर्थ होता है।
17. दुनिया के सामने ऐसे रहो जैसे आपकी वैल्यू है। जैसे की सांप जहरीला नहीं है, तो उसे विषैला होने का दिखावा करना चाहिए। वरना लोग उसकी वैल्यू कभी नहीं समझेंगे।
18. एक अकेला पहिया कभी नहीं चल सकता है। उसी तरह आप अकेले कुछ नहीं कर सकते।
19. इन्द्रियों पर विजय पाने का आधार आपका विनम्र और शांत होना है।
20. प्रकृति का गुस्सा सभी गुस्सो से बड़ा होता है
21. इंसान खुद अपने कर्मों के द्वारा अपने जीवन में दुखो को बुलाता है।
22. किसी भी एक व्यक्ति को जरूरत से ज्यादा ईमानदार और वफादार नहीं होना चाहिए। क्योंकि सीधे तने वाले पेड़ पहले काटे जाते हैं पर टेढ़े को कोई नहीं छूता।
23. व्यक्ति अकेले पैदा होता है और अकेले ही मर जाता है। और इस दुनिया में वो अपने अच्छे और बुरे कर्मों का फल भी खुद ही भुगतता है। उसके बाद वो अकेले ही नर्क या स्वर्ग जाता है।
24. पहले पांच सालों में अपने बच्चो को बड़े लाड और प्यार से पालो, अगले पांच साल उन्हें डांट-डपट के रखो, और थोड़ा सख्त रखो। जब वो 16 साल के हो जाये तो उसके साथ एक अच्छे दोस्त की तरह रहो। आपके जवान बच्चे ही आपके सबसे अच्छे मित्र हैं।

25. एक बार अगर आप किसी काम की शुरुआत कर लेते हैं, तो असफलता के डर से उस काम को छोड़ी मत।

26. जो लोग ईमानदारी से काम करते रहते हैं, वे सबसे खुश हैं। और वे सफल भी होते हैं। बस जिस काम को शुरू किया है उसको करते रहो

27. एक अशिक्षित व्यक्ति का जीवन कुत्ते की पूंछ की तरह बेकार है। जो ना तो उसके पीछे के भाग को छुपाता है। और ना ही कीड़ों के काटने से बचाता है। इसलिए जीवन में शिक्षा बहुत जरूरी है।

28. अगर आपके पास शिक्षा है तो पूरी दुनिया में कहीं भी जा सकते हो। लेकिन अशिक्षित इंसान के पास लिमिटेड चाँइस होती है।

29. विचार अथवा सलाह को गुप्त न रखने पर कार्य नष्ट हो जाता है। राज्य नीति का संबंध केवल अपने राज्य को समृद्धि प्रदान करने वाले मामलो से होता है। लापरवाही अथवा आलस्य से भेद खुल जाता है।

30. किसी काम को करने के बिच में बहुत देरी से करना और आलस्य के साथ करना ठीक नहीं है।

31. कार्य-सिद्धि के लिए हस्त-कौशल का उपयोग करना चाहिए। समय को समझने वाला ही कार्य सिद्ध करता जान वाले, छल-कपट ना करने वाले और शुद्ध मन वाले व्यक्ति को ही मंत्री बनाए।

32. समस्त कार्य पूर्व सलाह और एक दूसरे के मशवरे से करना चाहिए।

33. भाग्य के उलट होने पर अच्छा काम भी दुखदायी और खराब हो जाता है।

34. अशुभ कार्यो को नहीं करना चाहिए अर्थात गलत कार्यो को नहीं करना चाहिए।

35. एक गवार और असंस्कारी व्यक्ति को हंसमुख और अच्छा होने पर भी उससे कोई सलाह नहीं लेनी चाहिए।

36. एक गैरतमंद और प्रतिष्ठित व्यक्ति को एक जैसे विचारो को सामने रख कर उन पर वापस से विचार करना चाहिए।

चाणक्य नीति दुश्मन | Chanakya Niti for Enemy

- दुश्मन को मात देने के लिए हर पहलू को ठंडे दिमाग से सोचें-समझें और फिर कदम उठाएं।
- शत्रु के सामने आपको अपनी हार नज़र आ भी रही हो, तो भी धैर्य न खोएं. शत्रु की एक छोटी गलती आपको जीत का सेहरा पहना सकती है.
- यदि शत्रु हमसे अधिक शक्तिशाली है तो उसके अनुकूल चलना चाहिए
- अगर दुश्मन कमजोर और छल करने वाला है तो इसके विपरीत व्यवहार करना चाहिए.
- आचार्य चाणक्य का यह मानना था कि शत्रु को हराने के लिए.. उसे गहरी चोट देने के लिए आपको सही समय का इंतजार करना चाहिए

चाणक्य नीति जीवन | Chanakya Niti for life

- शिक्षा आपकी सबसे अच्छी दोस्त है
- दूसरों की गलतियों से सीखें
- कभी भी अपने राज किसी के साथ साझा न करें
- प्यार फैलाओ
- अपने भीतर ईश्वर को खोजें
- सीखना बंद मत करो
- नेतृत्व शक्ति के बराबर है
- चाहे रत्न को पैर में और दर्पण को सिर पर रखा जाए, फिर भी रत्न का मूल्य कम नहीं होगा।"
- वाणी की शुद्धता, मन की पवित्रता, इंद्रियों की पवित्रता और दयालु हृदय की आवश्यकता उस व्यक्ति को होती है जो दिव्य पद तक पहुंचने की इच्छा रखता है।" ~चाणक्य
- इस पृथ्वी पर तीन रत्न हैं, भोजन, पानी और मनभावन शब्द - मूर्ख चट्टानों के टुकड़ों को रत्न मानते हैं।" ~ चाणक्य
- "जो भविष्य के लिए तैयार रहता है और जो आने वाली किसी भी स्थिति से चतुराई से निपटता है, दोनों खुश रहते हैं, लेकिन भाग्यवादी व्यक्ति जो पूरी तरह से भाग्य पर निर्भर रहता है, वह बर्बाद हो जाता है।" ~ चाणक्य
- "एक विद्वान व्यक्ति को लोगों द्वारा सम्मानित किया जाता है। एक विद्वान व्यक्ति अपनी शिक्षा के लिए हर जगह सम्मान पाता है। सचमुच, सीखने का हर जगह सम्मान किया जाता है।" ~ चाणक्य

चाणक्य नीति की कहानी | Story of chanakya niti

चाणक्य का प्रेरक प्रसंग-दूसरा दीपक

चाणक्य के चाणक्य नीति के बारे में सुनकर भारत आता हैं। जब वह चाणक्य के घर पहुंचा तब तक काफी अंधेरा हो चुका था. घर में जैसे ही चीनी यात्री प्रवेश करता हैं। वहां पर की दार्शनिक दिखाई पड़ता है कि' चाणक्य दीपक के प्रकाश में कोई ग्रंथ लिखने में बहुत ज्यादा व्यस्त हैं जैसे ही चाणक्य की नजर चीनी दार्शनिक पर पड़ी उन्होंने मुस्कराते हुए उसका स्वागत किया और अपना लेखन कार्य समाप्त कर दीपक को बुझा दिया इसके उपरांत चाणक्य ने दूसरा दीपक जलाकर चीनी दार्शनिक से बातचीत करने लगे चीनी दार्शनिक चाणक्य के इस व्यवहार को समझ नहीं पाया और उसने चाणक्य से पूछा कि क्या भारत में इस प्रकार का रिवाज हैं। तब चाणक्य ने मुस्कराते हुए कहा कि जब अपने कमरे में प्रवेश किया। उस समय उस समय में राज्य का कार्य कर रहा था. इसलिए वह दीपक जला रखा था, जो राजकोष के धन से खरीदे हुए तेल से दीप्यमान था. परंतु मैं जब आपसे बातचीत कर रहा हूं तो यह मेरा व्यक्तिगत वार्तालाप है इसलिए मैं अपने खुद के पैसे से खरीदे गए दीपक का इस्तेमाल करूंगा यही कारण है कि मैंने दूसरा दीपक जला लिया. चाणक्य का यह देशप्रेम देखकर वह चीनी दार्शनिक उनके सामने नतमस्तक हो गया.

चाणक्य का संकल्प

बहुत प्राचीन समय की बात है जब यवन सेना विश्व विजय के उद्देश्य से भारत की ओर निरंतर बढ़ती जा रही थी। चाणक्य इस स्थिति को अच्छी तरह से समझ गए थे जिसके फलसुबह भारत को लूटते हुए देखना नहीं चाहते थे इसलिए उन्होंने उसे समय के शक्तिशाली साम्राज्य के राजा धनानंद से मदद मांगने के लिए उनके दरबार में उपस्थित हुए इसके उपरांत चाणक्य और राजा धनानंद के बीच में वार्तालाप शुरू हुई

कहो! ब्राह्मण तुम कौन हो और कहां से आए हो ?

महाराज -मैं तक्षशिला का आचार्य चाणक्य हूँ!

कहो किस लिए आए हो ?

यवन की सेना निरंतर आर्यव्रत की ओर बढ़ती आ रही है

जिसका उद्देश्य ठीक नहीं है।

तो हम क्या कर सकते हैं ?

कब चाणक्य ने कहा कि आपके पास विशाल और मजबूत सी है और आप ही उसका सामना कर सकते हैं अगर उसे रोकना गया तो आपका भी साम्राज्य नहीं बचेगा परंतु राजा धनानंद अपने अहंकार में डूबा रहा और उसने चाणक्य को बेइज्जत कर राज दरबार से लात मार कर निकल गया जिसके कारण चाणक्य जमीन पर गिरे और उनके शिखा खुल गई। उस खुली शिखा को दिखाते हुए उन्होंने भरी दरबार में संकल्प लिया और उन्होंने कहा कि मैं तब तक सीखा नहीं बंदूंगा जब तक मगध साम्राज्य की गाड़ी पर एक योग्य राजा ना बैठे ऐसा ही हुआ उन्होंने कठिन परिश्रम और योग्यता से बेहद छोटे से आदिवासी लड़के चंद्र को योग्य बना कर चंद्रगुप्त मौर्य के रूप में उन्होंने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी।

चाणक्य नीति की बातें | Chanakya niti ki batein

- किसी भी व्यक्ति को आवश्यकता से अधिक 'सीधा' नहीं होना चाहिए। वन में जाकर देखो- सीधे तने वाले पेड़ ही काटे जाते हैं, टेढ़े को कोई नहीं छूता।
- अगर कोई सांप जहरीला नहीं है, तब भी उसे फुफकारना नहीं छोड़ना चाहिए। उसी तरह से कमजोर व्यक्ति को भी हर वक्त अपनी कमजोरी का प्रदर्शन नहीं करना चाहिए।
- कभी भी अपने रहस्यों को (सिवाय अपने गुरु के) किसी के साथ साझा मत करो, यह प्रवृत्ति तुम्हें बर्बाद कर देगी।
- हर मित्रता के पीछे कुछ स्वार्थ जरूर छिपा होता है। दुनिया में ऐसी कोई दोस्ती नहीं जिसके पीछे लोगों के अपने हित न छिपे हों, यह कटु सत्य है, लेकिन यही सत्य है।
- अपने बच्चे को पहले पांच साल दुलार के साथ पालना चाहिए। अगले पांच साल उसे डांट-फटकार के साथ निगरानी में रखना चाहिए। लेकिन जब बच्चा सोलह साल का हो जाए, तो उसके साथ दोस्त की तरह व्यवहार करना चाहिए।
- संकट काल के लिए धन बचाएं। परिवार पर संकट आए तो धन कुर्बान कर दें। लेकिन स्वयं की रक्षा हमें अपने परिवार और धन को भी दांव पर लगाकर करनी चाहिए।
- जिस प्रकार सभी पर्वतों पर मणि नहीं मिलती, सभी हाथियों के मस्तक में मोती उत्पन्न नहीं होता, सभी वनों में चंदन का वृक्ष नहीं होता, उसी प्रकार सज्जन पुरुष सभी जगहों पर नहीं मिलते हैं।
- झूठ बोलना, उतावलापन दिखाना, दुस्साहस करना, छल-कपट करना, मूर्खतापूर्ण कार्य करना, लोभ करना, अपवित्रता और निर्दयता - ये सभी स्त्रियों के स्वाभाविक दोष हैं। चाणक्य उपर्युक्त दोषों को स्त्रियों का स्वाभाविक गुण मानते हैं। हालाँकि वर्तमान दौर की शिक्षित स्त्रियों में इन दोषों का होना सही नहीं कहा जा सकता है।
- भोजन के लिए अच्छे पदार्थों का उपलब्ध होना, उन्हें पचाने की शक्ति का होना, सुंदर स्त्री के साथ संसर्ग के लिए कामशक्ति का होना, प्रचुर धन के साथ-साथ धन देने की इच्छा होना। ये सभी सुख मनुष्य को बहुत कठिनता से प्राप्त होते हैं।

- चाणक्य कहते हैं कि जिस व्यक्ति का पुत्र उसके नियंत्रण में रहता है, जिसकी पत्नी आज्ञा के अनुसार आचरण करती है और जो व्यक्ति अपने कमाए धन से पूरी तरह संतुष्ट रहता है। ऐसे मनुष्य के लिए यह संसार ही स्वर्ग के समान है।
- चाणक्य का मानना है कि वही गृहस्थी सुखी है, जिसकी संतान उनकी आज्ञा का पालन करती है। पिता का भी कर्तव्य है कि वह पुत्रों का पालन-पोषण अच्छी तरह से करे। इसी प्रकार ऐसे व्यक्ति को मित्र नहीं कहा जा सकता है, जिस पर विश्वास नहीं किया जा सके और ऐसी पत्नी व्यर्थ है जिससे किसी प्रकार का सुख प्राप्त न हो।
- . जो मित्र आपके सामने चिकनी-चुपड़ी बातें करता हो और पीठ पीछे आपके कार्य को बिगाड़ देता हो, उसे त्याग देने में ही भलाई है। चाणक्य कहते हैं कि वह उस बर्तन के समान है, जिसके ऊपर के हिस्से में दूध लगा है परंतु अंदर विष भरा हुआ होता है
- चाणक्य कहते हैं कि जो व्यक्ति अच्छा मित्र नहीं है उस पर तो विश्वास नहीं करना चाहिए, परंतु इसके साथ ही अच्छे मित्र के संबंध में भी पूरा विश्वास नहीं करना चाहिए, क्योंकि यदि वह नाराज हो गया तो आपके सारे भेद खोल सकता है। अतः सावधानी अत्यंत आवश्यक है।
- चाणक्य का मानना है कि व्यक्ति को कभी अपने मन का भेद नहीं खोलना चाहिए। उसे जो भी कार्य करना है, उसे अपने मन में रखे और पूरी तन्मयता के साथ समय आने पर उसे पूरा करना चाहिए।
- चाणक्य का कहना है कि मूर्खता के समान यौवन भी दुखदायी होता है क्योंकि जवानी में व्यक्ति कामवासना के आवेग में कोई भी मूर्खतापूर्ण कार्य कर सकता है। परंतु इनसे भी अधिक कष्टदायक है दूसरों पर आश्रित रहना।

चाणक्य नीति बुक हिंदी में पीडीएफ | Chanakya niti book in hindi pdf

चाणक्य नीति किताब Pdf के रूप में अगर आप प्राप्त करना चाहते हैं तो आर्टिकल में हम आपको चाणक्य नीति किताब का पीडीएफ उपलब्ध कब आएंगे जिसे आप अपने मोबाइल में डाउनलोड कर सकते हैं इसके अलावा आप चाहे तो अमेज़ॉन पर जाकर चाणक्य नीति किताब खरीद सकते हैं।

चाणक्य नीति स्टेटस हिंदी में | Chanakya niti status in hindi

1.जिंदगी में खत्म होने
जैसा कुछ नहीं होता
हमेशा नई राह आपका
इंतजार कर रही होती है।

2.नसीहत वह सच्चाई है
जिसे हम कभी गौर से नहीं सुनते
और तारीफ वह धोखा है
जिसे हम पूरे ध्यान से सुनते हैं।

3.पराजय तब नहीं होती
जब आप गिर जाते हैं,
पराजय तब होती है जब
आप उठने से इनकार कर देते हैं

4. शिक्षक कभी साधारण नहीं होता।
प्रलय और निर्माण उसके गोद में
खेलते हैं। आचार्य चाणक्य

5. शत्रु के चाल के हिसाब से
तब तक चलते रहे जब तक
उसको यह विश्वास ना हो जाए
कि आप उसके जाल में फंस
चुके हो फिर उसे उसी की
चाल में उलझा कर मार देना ही उचित है।

6. मीठी मीठी बातें करने वाले लोग
आपके कभी शुभ चिंतक नहीं हो सकते।
इसलिए इनकी बातों में उलझ कर
अपनी हानि करवाने से अच्छा है।
इनके साथ बुद्धि के साथ रहा जाए।

7. खुद को बदलने का आसान तरीका है
स्वीकारना जिस समय हम गलतियों को
स्वीकार लेते हैं, उसी समय
परिवर्तन प्रारम्भ हो जाता है।

8. परमात्मा सभी को एक ही मिट्टी से बनाता है
बस फर्क इतना है कि कोई बाहर से खूबसूरत होता है ..
तो कोई भीतर से...!!

9. मित्र, पुस्तके, रास्ता और सोच
अगर गलत हो तो गुमराह कर देते हैं
और अगर यही सही हो तो
जीवन भी बना देते हैं इसलिए
इनका चुनाव अच्छी तरह सोच
समझ कर करें।

10. कोई चीज नहीं बदलती
जितनी जल्दी इंसान की जाती हैं।

11. बार - बार धोखे को माफ करने वाले
व्यक्ति दयालु नहीं मूर्ख कहलाते हैं।

12. जीवन में सबसे कठिन दौर वह नहीं
जब तुम्हें कोई समझता नहीं है,
बल्कि वह तब होता है
जब तुम अपने आपको ही समझ नहीं पाते ।

13. धन मित्रता को खा जाता है
क्रोध बुद्धि को खा जाती है
और अभिमान आत्मज्ञान को खा जाता।

14. आप स्वयं को तब तक स्वतंत्र
नहीं कह सकते, जब तक आप दूसरों को प्रभावित
करने के लिए खुद में बदलाव लाते रहेंगे...!!

15. जीवन में सबसे कठिन दौर वह
नहीं जब तुम्हें कोई समझता
नहीं है, बल्कि वह तब होता
है जब तुम अपने आपको ही
समझ नहीं पाते।

16. जब आपके एक से अधिक दुश्मन हो
तो वहा शारीरिक तौर पर नहीं
दिमागी तौर पर लड़ना शुरू करें

चाणक्य नीति स्टेटस | Chanakya niti status

1. कर्मचारी की परीक्षा कर्तव्य पालन के समय, मित्र की परीक्षा विपत्ति में और पत्नी की परीक्षा दुर्भाग्य के समय होती है। ~ चाणक्य
2. "शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। शिक्षित व्यक्ति का हर जगह सम्मान होता है। शिक्षा सुंदरता और यौवन को मात देती है।" ~ चाणक्य
3. "ज्ञान अभ्यास में लाए बिना खो जाता है; अज्ञान के कारण मनुष्य खो जाता है; सेनापति के बिना सेना नष्ट हो जाती है ; और स्त्री पति के बिना नष्ट हो जाती है।"
4. एक बार जब आप किसी चीज़ पर काम करना शुरू कर दें तो असफलता से न डरें और न ही उसे छोड़ें। जो लोग ईमानदारी से काम करते हैं वे सबसे ज्यादा खुश रहते हैं। ~ चाणक्य
5. "जैसे ही भय निकट आये, उस पर आक्रमण करके उसे नष्ट कर दो।" ~ चाणक्य
6. "भगवान मूर्तियों में मौजूद नहीं है। आपकी भावनाएं ही आपके भगवान हैं. आत्मा आपका मंदिर है।" ~ चाणक्य
7. धन, मित्र, पत्नी और राज्य पुनः प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन यह शरीर खो जाने पर फिर कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता। ~ चाणक्य
8. कभी भी ऐसे लोगों से दोस्ती न करें जो आपसे ऊपर या नीचे की स्थिति में हों। ऐसी दोस्ती आपको कभी खुशी नहीं देगी ~ चाणक्य
9. "पहले पाँच वर्षों तक अपने बच्चे के साथ एक प्रिय की तरह व्यवहार करें। अगले पांच साल तक उन्हें डांटते रहना. जब वे सोलह वर्ष के हो जाएं, तब तक उनके साथ एक मित्र की तरह व्यवहार करें। आपके बड़े हो चुके बच्चे आपके सबसे अच्छे दोस्त हैं।" ~ चाणक्य

10.विनम्रता आत्म-नियंत्रण के मूल में है। ~ चाणक्य

चाणक्य नीति पीडीएफ|chanakya neeti pdf

चाणक्य नीति पीएफ प्राप्त करना चाहते हैं तो आर्टिकल में हम आपको पीडीएफ डाउनलोड करने का लिंक उपलब्ध करवाएंगे जिससे आप आसानी से अपने मोबाइल में डाउनलोड कर सकते हैं।

Summary

उम्मीद करता हूं कि हमारे द्वारा लिखा गया आर्टिकल आपको पसंद आएगा आर्टिकल संबंधित अगर आपका कोई भी सुझाव या प्रश्न है तो आप कमेंट सेक्शन में जाकर पूछ सकते हैं उसका उत्तर हम आपको जरूर देंगे तब तक के लिए धन्यवाद और मिलते हैं अगले आर्टिकल में